भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 945
02.03.2016 को दिया जाने वाला उत्तर

रेल के माध्यम से संभार तंत्र का विकास

945. श्री दुष्यंत चौटाला:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में अन्य विकसित देशों की तुलना में रेल के माध्यम से संभार तंत्र के विकास की गति बहुत धीमी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) रेलवे द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं; और

(घ) क्या रेलवे का देश में सरकारी निजी भागीदारी पद्धति के माध्यम से मल्टी-मॉडल संभार तंत्र पार्क बनाने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसकी वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मनोज सिन्हा)

(क) से (ग) : विकसित देशों में लॉजिस्टिक विकास के संदर्भ में तुलनात्मक डाटा नहीं रखा जाता है। बहरहाल, भारतीय रेलों पर लॉजिस्टिक अवसंरचना का विकास (वहन क्षमता और टर्मिनलों का संवर्धन) एक सतत् प्रक्रिया है और यातायात प्रवाह के प्रकार/मात्रा तथा प्रारंभिक गंतव्य के आधार पर शुरू किए जाते हैं।

(घ) : रेल मंत्रालय ने निजी माल यातायात टर्मिनल (पीएफटी) पर एक नीति तैयार की है, जिसमें बहु-उपयोगकर्ता सुविधाओं के रूप में निजी भूमि पर माल यातायात टर्मिनलों को स्थापित करने की परिकल्पना की गई है। ये माल यातायात टर्मिनल, मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्कों (एमएमएलपी) के रूप में कार्य करेंगे। अभी तक 33 माल यातायात टर्मिनल अधिसूचित किए गए हैं तथा अन्य 38 माल यातायात टर्मिनलों के लिए सैद्धांतिक अनुमोदन दे दिए गए हैं।

*****